**भारत सरकार**

संस्कृति मंत्रालय

**लोक सभा**

अतारांकित प्रश्न संख्याः 2311

उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 15 दिसंबर, 2025

24 अग्रहायण, 1947 (शक)

**धरोहर स्थलों और माजुली द्वीप को यूनेस्को की सूची में शामिल करना**

2311. **श्री जय प्रकाश**:

**श्री गौरव गोगोई**:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने धरोहर स्थलों को यूनेस्को की सूची में शामिल करने के किसी प्रस्ताव की सिफारिश की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) माजुली द्वीप को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल करने के प्रस्तावों की वर्तमान स्थिति क्या है ;

(ग) विगत पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान असम में अहोम युग के स्मारकों, माजुली के सत्रों और अन्य प्रमुख धरोहर स्थलों के संरक्षण के लिए आवंटित और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है ; और

(घ) क्या सरकार ने बिहू, हॉर्नबिल, संगाई, अंबुबाची मेला और जीरो संगीत महोत्सव जैसे पांरपरिक उत्सवों को भारत के सांस्कृतिक पर्यटन परिपथ में शामिल करने के लिए कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**संस्कृति और पर्यटन मंत्री**

**(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क): जी, हाँ। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची से संबंधित मामलों के लिए भारत सरकार की ओर से नोडल निकाय है, जिसने सारनाथ में अवस्थित प्राचीन बौद्ध स्थल को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल करने की सिफारिश की है।

(ख): माजुली नदी द्वीपसमूह को वर्ष 2004 में विश्व धरोहर की अस्थायी सूची में शामिल किया गया है। अभी तक इस संपत्ति को विश्व धरोहर की सूची में शामिल करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ग): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत असम राज्य में 55 संरक्षित स्मारक और स्थल हैं। इसमें अहोम युग के स्मारक और अन्य प्रमुख स्मारक भी शामिल हैं।

अहोम युग के स्मारकों एवं अन्य प्रमुख धरोहर स्थलों सहित असम राज्य में स्मारकों के संरक्षण के लिए आवंटित और उपयोग की गई निधियों का विवरण निम्नानुसार हैः

| वर्ष | आवंटित राशि (लाख में) | व्यय (लाख में) |
|---|---|---|
| 2020-21 | 257.98 | 257.98 |
| 2021-22 | 292.01 | 292.01 |
| 2022-23 | 625.55 | 625.55 |
| 2023-24 | 754.68 | 754.68 |
| 2024-25 | 379.57 | 379.57 |
| 2025-26 (दिनांक 09 दिसंबर, 2025 तक) | 303.16 | 233.16 |

(घ): भारत सरकार, अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रमुख पारंपरिक और सांस्कृतिक उत्सवों को नियमित रूप से बढ़ावा देती है। असम के पारंपरिक नृत्य और संगीत को बढ़ावा देने और इसे संरक्षित करने के लिए सरकार हर साल रोंगाली बिहू के दौरान लगभग 1,000 प्रतिभागियों को शामिल करते हुए बिहू कार्यशालाओं का आयोजन करती है। भारत सरकार द्वारा हॉर्नबिल और संगाई उत्सवों के लिए उस क्षेत्र के लोक-कलाकारों को इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करके इनको बढ़ावा देती देती है।

*****